अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BHOPAL

Saket Nagar, Bhopal (M.P.) – 462020

(जन सम्पर्क प्रकोष्ठ)

प्रेस विज्ञप्ति (09 मई 2020)

1. **कोविड–19 के रोगी की कथित तौर पर पहली बार वृहद सर्जरी की गईः–**

एम्स, भोपाल में कोविड–19 रोगी के उपचार की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। हमें यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि एम्स, भोपाल में कल देर रात पहली बार एक कोविड–19 पॉजिटिव रोगी की सफल इमरजेंसी मेजर लाइफ सेविंग सर्जरी की गई।

रोगी एक 61 वर्षीय महिला थी जो कि कोविड–19 के साथ–साथ डायबिटिज एवं हाइपरटेंशन से भी पिड़ित थी। उसे बुखार एवं कोविड न्युमोनिया के चलते 28 अप्रैल 2020 आई सी यू में भरती किया गया था।

उसे पेट में दर्द की शिकायत भी थी इसलिए उसका सीटी स्कैन किया गया। जिससे यह पता चला कि वह सुपीरियर मिसेंट्रिक आर्टरी थ्रोम्बोसिस (मुख्य रक्त वाहिका या एक धमनी जो कि आहारनाल और अन्य मुख्य अंगों को रक्त की आपूर्ति करती है में रक्त का जमाव) की समस्या से पिड़ित है।

रोगी को दवा देने पर भी उसकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ इसलिए रोगी की जीवन रक्षा हेतु कल देर रात एक वृहद आपातकालीन सर्जरी की गई। इस सर्जरी को एक सर्जिकल टीम के द्वारा सफलतापूर्वक पूरा किया गया जिसमें डॉ. अजित (सह प्राध्यापक) डॉ. आकाश चरी (सीनियर रेजिडेंट) एवं डॉ.अगोष (जूनियर रेजिडेंट) तथा एनीस्थीसिया दल में डॉ. सुनैना तेजपाल, डॉ. शशी, डॉ. राजेश एवं डॉ. श्रीनिवास सम्मिलित थे। इस सर्जरी में वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी श्री रमेश, स्टाफ नर्स श्री सुमित एवं श्री साजन तथा एनीस्थीसिया तकनीशियन श्री शशिकांत का भी सहयोग लिया गया। सर्जरी के दौरान सभी अनुशंसित सुरक्षा उपकरणों एवं सुरक्षा मानकों का पालन किया गया।

यह मामला विभिन्न लक्षणों जैसे कि कोविड–19 न्युमोनिया, रोगी की 60 वर्ष से अधिक आयु, मधुमेह एवं हाइपरटेंशन जैसे सह लक्षणों, प्राणघातक आंत्रक्षति एवं आंत्र मे सूजन (जिसकी जानकारी सर्जरी के दौरान हुई) जैसे कई कारणों से अत्यधिक चुनौतीपूर्ण था। जीवन रक्षक प्रक्रिया के अंतर्गत आंत्र के एक हिस्से को इलियोस्टॉमी के द्वारा रिसेक्ट कर सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया। वर्तमान मे रोगी को क्रिटिकल केयर टीम की देखरेख में कोविड आई सी यू वार्ड में वेंटिलेटर पर रखा गया है।

प्रो. सरमन सिंह, निदेशक, एम्स, भोपाल द्वारा इस बेहद चुनौतिपूर्ण क्लिनिकल स्थिति से निपटने एवं सफल सर्जरी करने पर समस्त टीम को बधाई दी गई। एक कोविड–19 रोगी जो कि न्यूमोनिया से भी पिड़ित था की देखभाल के दौरान प्राणघातक स्थिति को पहचानकर उसका समय रहते उपचार करना अनुकरणीय है।

2. **09 मई 2020 (08:00 AM) तक कोविड–19 मरीजों की स्थिति रिपोर्टः**

वर्तमान में एम्स, भोपाल में कोविड–19 के अट्ठाईस (28) मरीज भरती हैं।
एम्स, भोपाल के कोविड–19 वार्ड में कोविड–19 के चार (04) नये मरीज भरती हुए हैं।
एम्स, भोपाल के कोविड–19 वार्ड में छब्बीस (26) कोविड–19 पॉजिटिव मरीजों का उपचार किया जा रहा है। वे क्लीनिकली स्थिर है।
कोविड–19 के दो (02) गंभीर मरीजों को कोविड–19 आई सी यू वार्ड (ICU) में भरती कर ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है।

भरती किये गये सभी मरीजों का उपचार निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार किया जा रहा है।

छुट्टी की स्थिति/जानकारीः 08 मई को तीन (03) कोविड–19 के रोगियों को सफल उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। उन्होंने एम्स, भोपाल एवं संस्थान के समस्त स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा दी गई सेवाओं एवं उचित देखभाल हेतु अपनी कृतज्ञता व्यक्त की है।

मृत्यु की स्थिति/जानकारीः संस्थान में अब तक कोविड–19 से संक्रमित सात मरीजों की मृत्यु हुई है। पिछले 24 घण्टे में कोई मृत्यु नहीं हुई है।

3. **कोविड–19 की 08 मई (08:00 AM) से 09 मई (08:00 AM) तक की प्रयोगशाला परीक्षण की स्थिति रिपोर्टः**

कुल परीक्षण	504
कुल कोविड–19 पॉजिटिव (24 घण्टे)	नए मामले – 08 पुराने मामले – 02
भोपाल जिला (पॉजिटिव)	08
अन्य जिला (पॉजिटिव)	शून्य

(डॉ.लक्ष्मी प्रसाद)
अपर चिकित्सा अधीक्षक एवं
जन सम्पर्क अधिकारी